पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ को नैक मूल्यांकन में 'ए++' ग्रेड मिलने पर राजभवन में सम्मानित किया

———————

राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों का स्तर सुधारने के लिए दिशा–निर्देश दें

———————

प्रदेश के विश्वविद्यालयों में देश को नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता है

———————

टीम के सदस्य अपनी जिम्मेदारियों को निरन्तरता से जारी रखें

–श्रीमती आनंदीबेन पटेल

प्रदेश में विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में हुआ सुधार राज्यपाल जी के अथक प्रयासों का परिणाम है

– उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय

———————

लखनऊः 30 जुलाई, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन के प्रज्ञाकक्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की नैक टीम कमेटी के सदस्यों को नैक मूल्यांकन में 'ए++' ग्रेड प्राप्त होने पर प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि लखनऊ विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन में 'ए++' ग्रेड प्राप्त करने वाला राज्य का पहला विश्वविद्यालय है। उन्होंने इस अवसर पर कुलपति एवं नैक तैयारी के लिए गठित कमेटी के सदस्यों को बधाई दी और उन्हें इस उपलब्धि के लिए की गई तैयारियों को राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों से साझा करने के लिए प्रेरित किया,

जिससे आवश्यक सुधार करके राज्य के अन्य विश्वविद्यालय भी नैक मूल्यांकन में उत्कृष्ट श्रेणी प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा "सबका साथ–सबका विकास, सबका विश्वास–सबका प्रयास" की सशक्त भावना के साथ टीम वर्क करके ही विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि प्राप्त हो सकी। आज ही बैठक में राज्यपाल जी ने नैक मूल्यांकन के सभी सातों क्राइटेरिया पर तैयारी के लिए विश्वविद्यालय द्वारा गठित कमेटी के प्रत्येक सदस्य से तैयारी के अनुभवों, व्यवहार में लाई गई गतिविधियों, नवाचारों और कार्य प्रतिबद्धता की जानकारी ली। उन्होंने कहा टीम के प्रत्येक सदस्य अपनी तैयारियों और कार्य व्यवहारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें, एक बुकलेट बनवाएं और प्रदेश के संसाधनों तथा अर्थाभाव के कारण अथवा जानकारियों के अभाव में पिछड़ रहे अन्य विश्वविद्यालयों का स्तर सुधारने के लिए दिशा–निर्देश दें जिससे वे भी नैक में उच्च ग्रेड प्राप्त करने दिशा में आगे बढ़ सकें।

राज्यपाल जी ने कहा प्रदेश के विश्वविद्यालयों में देश को नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने यह सिद्ध कर दिया है कि अपने उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग से संस्थान को बेहतर स्वरूप में लाया जा सकता है। उन्होंने कहा टीम के सदस्य इसी भांति अपनी जिम्मेदारियों को निरन्तरता से जारी रखें। इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान कमेटी में नये शिक्षकों को जोड़ कर उन्हें भी इस दिशा में प्रशिक्षित करने का निर्देश दिया, जिससे वे भी कार्य दक्षता प्राप्त कर सकें।

बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विश्वविद्यालय की इस अभूतपूर्व उपलब्धि का श्रेय राज्यपाल जी को देते हुए कहा कि प्रदेश में उनके द्वारा विश्वविद्यालयों में गुणवत्ता सुधार की दिशा में किए जा रहे अथक प्रयासों का यह

परिणाम है कि अब राज्य विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन में अग्रणी श्रेणियों को प्राप्त करने लगे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए पूरी टीम को बधाई दी और इसे उत्कृष्ट टीम भावना के साथ किए गए गए कार्यों के परिणाम बताते हुए कहा "पंख ही से नहीं, हौंसलो से उड़ान होती है" और विश्वविद्यालय के पंखों में राज्यपाल जी ने हौंसला भरा है। उन्होंने कहा आपके सामूहिक प्रयासों ने विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाया। अब अपने अनुभवों से प्रदेश के विश्वविद्यालयों को आगे बढ़ायें।

बैठक में अपने अनुभवों को बांटते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति श्री आलोक कुमार राय ने इसे राज्यपाल के निर्देश में बेहतर टीम वर्क के साथ अथक मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने कहा राजभवन से प्राप्त निर्देश, नैक मंथन कार्यशाला, पंजाब के उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों का भ्रमण, वाराणसी में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की कार्यशाला जैसे कार्यक्रमों ने आई–ओपनर का कार्य किया जिससे विश्वविद्यालय को बेहतर करके नैक की उच्चतम श्रेणी तक पहुंचाया जा सका। उन्होंने बताया कि 116 पैरामीटर्स पर विश्वविस्द्यालय को उत्कृष्ट बनाने का कार्य हुआ। इसके साथ ही उन्होंने पियर टीम भ्रमण की तैयारियों और अनुभवों को भी साझा किया।

उत्साह और हर्ष के माहौल में सम्पन्न आज की बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, विशेषकार्याधिकारी राज्यपाल, विश्वविद्यालय की नैक तैयारियों के लिए गठित टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

———————

डा0 सीमा गुप्ता–सूचना अधिकारी /राजभवन (306/62)
सम्पर्क सूत्र– 8318116361

राजभवन उत्तर प्रदेश

राजभवन उत्तर प्रदेश